RAJRATAN
OUTPERFORM
INDIA | THAILAND

www.rajratan.co.in

RGWL/25-26/

22nd January, 2026

To **BSE Limited** **Phiroze Jeejeebhoy Towers** **Dalal Street** **Mumbai 400001** **Scrip Code – 517522**	**To** **National Stock Exchange of India Limited** **'Exchange Plaza', C-1, Block G,** **Bandra Kurla Complex,** **Bandra (E), Mumbai – 400 051** **Symbol - RAJRATAN**

Dear Sir

Subject – Newspaper publication of Financial Results

Please find enclosed herewith copies of newspaper advertisement of Standalone and Consolidated Financial Results for the quarter ended on 31st December 2025, published on 22nd January, 2026 in "Economic Times" "Nai Dunia" and "Choutha Sansaar".

This is for your information and records please.

For **Rajratan Global Wire Limited**

Shubham Jain Digitally signed by Shubham Jain
Date: 2026.01.22 15:47:14 +05'30'

Shubham Jain
Company Secretary & Compliance

RAJRATAN GLOBAL WIRE LIMITED
Regd. Office: Rajratan House, 11/2, Meera Path, Dhenu Market, Indore-452003, Madhya Pradesh, India. Tel.: +91-731-2546401
Factory: 200-B, Sector-1, Pithampur-454775, Dist. Dhar, Madhya Pradesh, India. Tel.: +91-7292-253429, 253375

Email : investor.cell@rajratan.co.in CIN No. L27106MP1988PLC004778

एक नजर

बुजुर्ग की गिरने से मौत

इंदौर,(वाप्र)। छावनी इलाके में एक बुजुर्ग की गिरने से मौत हो गई। बताया जाता है कि उन्हें आंखों से दिखता कम था। इसके चलते दूसरी मंजिल की गैलरी से नीचे गिर गए। पुलिस के मुताबिक एमआईजी में रहने वाले 70 वर्षीय जोसफ पुत्र सावमान की हादसे में मौत हो गई। रात में वह सीढ़ियों से उतर रहे थे। इस दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया। जोसफ के दो बेटे हैं। एक बेटा अलग रहता है। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

पाठक को विवेकानंद गौरव अलंकर सम्मान

इंदौर। बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रहे बाल विवाह विरोधी उड़नदस्ता के प्रभारी महेंद्र पाठक को कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट एवं इंदौर सेवा ट्रस्ट द्वारा पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त योगेंद्र महंत,समाजसेवी अलका सैनी और वरिष्ठ पत्रकार प्रतिक श्रीवास्तव के आतिथ्य में विक्रांती गार्डन धार रोड पर आयोजित विवेकानंद जयंती समारोह में प्रदेश स्तरीय विवेकानंद गौरव अलंकर । सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रकाश भानावत,अनंत महंत, संगीता सिंह मौनिक मालवीय और शिव कोदिया भी उपस्थित थे।

लड़की के फोटोग्राफ जलाकर लव लेटर के साथ भेजता था

इंदौर,(नप्र)। लड़की को परेशान करने वाले एक सिरफिरे आशिक को खजराना पुलिस ने पकड़ा है। फरियादिया ने थाना हाजिर होकर बताया कि कुछ फरियादिया के घर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरी पुत्री के नाम से आत्महत्या कर लेने तथा फरियादिया को मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक रूप से परेशान एवं ब्लैकमेल करने की नियत से फरियादिया की लड़की के फोटोग्राफ जलाकर लव लेटर के साथ भेजकर फरियादिया की पुत्री की किसी भी तरह से शादी तुड़वाना चाहता है। टीम द्वारा सैकड़ो सीसीटीवी फुटेज, सूचना संकलन, मुखबिरी तंत्र एवं कड़ी मेहनत से टीम द्वारा अज्ञात आरोपी का पता किया जाकर उक्त आरोपी को राउंडअप कर हिरासत में लिया गया है। जिसके विरुद्ध ववेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपी का नाम साजिद अंसारी उम्र 23 साल निवासी मंसब नगर खजराना इंदौर है।

थाना स्तर पर ही होगी सायबर अपराधों के विरुद्ध कर्रवाई

साइबर हेल्प डेस्क के बेहतर संचालन हेतु थानों के पुलिसकर्मियों के लिए किया गया विशेष सायबर ट्रेनिंग का आयोजन

इंदौर,(नप्र)। वर्तमान के बढ़ते सायबर अपराधों की रोकथाम हेतु इन्दौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है साथ ही जनजागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। सायबर अपराधों की शिकायतों में पीड़ित/आवेदक को थानें पर ही उचित समाधान मिल सकें व उसे इधर उधर न भटकना पड़े, इसी बात को ध्यान में रखते हुए, पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर संतोष कुमार सिंह द्वारा थाना स्तर पर ही सायबर अपराधों के लिये दक्ष पुलिसकर्मी हो, इसके लिये, एक विशेष ट्रैनिंग की कार्ययोजना तैयार करवाई गयी है। जिसके तहत नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक थाने से पुलिस कर्मियों को सायबर अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही के लिये, प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में नगरीय क्षेत्र के सभी थानों से आरक्षक से उप निरीक्षक स्तर के करीब 80 पुलिस कर्मियों के लिये एक दिवसीय सायबर ट्रैनिंग आज आयोजित की गयी, जिसका शुभारंभ पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति व अति. पुलिस आयुक्त (का./व्य.) नगरीय इंदौर अमित सिंह, अति. पुलिस आयुक्त (अप./मुख्यालय) नगरीय इंदौर आर.के. सिंह एवं अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम श्री राजेश दण्डोतिया की मौजूदगी में किया गया। उक्त प्रशिक्षण में पुलिस कर्मियों को क्राइम ब्रांच के एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया, साइबर एक्सपर्ट अक्षय कुमार जाधव, साइबर सुरक्षा सलाहकार व विशेषज्ञ सन्नी वाधवानी के साथ ही क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम के अनुभवी अधिकारी/कर्मचारी जो विभिन्न सायबर अपराधों में दिन प्रतिदिन कार्यवाही करते है, के द्वारा सायबर अपराधों व फ्रॉड के विभिन्न प्रकार की जानकारी देते दी।

भागीरथपुरा की घटना से निगम ने लिया सबक - नर्मदा लाइन पर होगा बड़ा काम

800 करोड़ की लागत 900 किलोमीटर की नर्मदा लाइन डाली जाएंगी

600 किमी तक नर्मदा लाइन बदली जाएंगी, 300 किमी तक की लाइन नई डाली जाएंगी

इंदौर। भागीरथपुरा की घटना के बाद से इंदौर नगर निगम जलप्रदाय को लेकर काफी सावधान हो गया है। शहर में शुद्ध जल प्रदाय करने के लिए भी नई नई व्यवस्थाएं करने का प्रयास कर रहा है। शहर को साफ और शुद्ध जल पहुंचाने के लिए नगर निगम पूरे शहर की नर्मदा की पाइप लाइन बदलने की तैयारी कर रहा है। इस दौरान 2 से ढाई लाख नल कनेक्शन बदले जाएंगे। निगम विशेष कर उन क्षेत्रों की नर्मदा लाइन बदलेगा जो लगभग 40 से50 साल पुरानी हो गई हो, या फिर पाइल लाइन सड़ चुकी हो या टूट फूट गई हो। नई लाइन डालने से पहले निगम सर्वे करेगा। यह काम अमृत योजना - 2 के अन्तर्गत होगा। यह प्रोजेक्ट लगभग 800 करोड़ रुपए का है। इस बड़ी लागत से 900 किलोमीटर नई पाइप लाइन बिछाई जाएगी। निगम टेंडर प्रक्रिया जल्द ही शुरु करने वाला है।

शहर में अभी कुल 3 लाख नल कनेक्शन हैं, जिसमें से 2 लाख नल कनेक्शन को बदला जाएगा। यह नल कनेक्शन वहां पर बदले जाएंगे, जहां पर नर्मदा की जर्जर और सड़ चुकी है। इसके अलावा शहर में निर्माणाधीन 42 नई पेयजल टंकियों से लगभग डेढ़ लाख नए नल कनेक्शन दिए जाएंगे। बताया जा रहा है कि पुराने नल कनेक्शन बदलने के दौरान अवैध कनेक्शन भी पकड़ में आएंगे। इस पर निगम अवैध कनेक्शनों को वैध कर जलकर वसूल करेगा।

प्रोजेक्ट को पूरा होने में लगेंगे 3 माह- जानकारी के मुताबिक 800 करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट फिलहाल निगम की फाइलों में चल रहा है। धरातल पर लाने के लिए अभी थोड़ा समय लगेगा। निगम के अधिकारियों ने इसकी वजह टेंडर बुलाने पर अधिक रेट आने पर भोपाल में राज्य स्तरीय तकनीक कमेटी से कैंसिल होना और फिर से जारी करना बताया जा रहा है।

प्रोजेक्ट पर एक नजर -

निगम सीमा में आए 29 गांव सहित शहर की सभी कॉलोनियों में एक साथ काम शुरू होगा।

- शहर में लगभग 900 किलोमीटर की नई नर्मदा लाइन बिछाई जाएगी
- इसमें से 600 किलोमीटर तक की लाइन बदली जाएगी , जबकि 300 किमी की नई लाइन डाली जाएगी
- इस प्रोजेक्ट पर लगभग 800 करोड़ रु खर्च होंगे।
- सरकार ने प्रोजेक्ट को मंजूरी भी दे दी है।
- निगम अगले तीन माह के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर लेगा
- निगम ने चिह्नित कर लिया गया है कि लाइन कैसे और कहां बिछाना है।

बजरंग दल का हंगामा, युवक की पिटाई

मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्प ी का आरोप, पुलिस ने की एफआईआर दर्ज

इंदौर,(नप्र)। राउ थाना क्षेत्र में मंगलवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान अल्ताफ नाम के एक युवक की पिटाई कर उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। आरोप है कि युवक ने कुछ समय पहले बजरंग दल संगठन को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। सोशल मीडिया पर जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस ने हाईवेयर व्यापारी सोनू लहासे की शिकायत पर अल्ताफ उर्फ राजा, पिता रईस पटेल, निवासी खजराना के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर उसे वायरल करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता सोनू लहासे ने बताया कि उन्होंने इंस्टाग्राम के एक पेज पर अल्ताफ पटेल को अभद्र, आपत्तिजनक और अशोभनीय टिप्पणी करते हुए देखा था।

शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने बजरंग दल की राष्ट्रीय और सामाजिक छवि को धूमिल करने का प्रयास किया, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति बन रही थी।

आरोपी भागने लगा तो पकड़कर पीटा- विहिप के प्रचार प्रमुख देवा शर्मा ने बताया कि मंगलवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गोल चौराहे से अल्ताफ उर्फ राजा को पकड़ा। इसके बाद संगठन के अन्य कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। जब उससे सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पूछताछ की गई, तो उसने स्वीकार किया कि उसने माहौल बिगाड़ने के इरादे से इस तरह की पोस्ट वायरल की थी। बताया जा रहा है कि पूछताछ के दौरान अल्ताफ भागने लगा, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद उसे राउ थाने ले जाया गया, जहां भी कुछ समय तक हंगामा हुआ।

एमबीए छात्रा से शादी का झांसा देकर रेप

इंदौर,(नप्र)। खजराना पुलिस ने एमबीए छात्रा की शिकायत पर उसके कॉलेज फ्रेंड के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। आरोपी बीते 6 साल से दोस्ती के नाम पर उससे संबंध बना रहा था और शादी का झांसा देता रहा। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

खजराना थाना प्रभारी मनोज सेंधव के मुताबिक 25 वर्षीय छात्रा की शिकायत पर सैयद मजहर पुत्र सैयद आबिद अली, निवासी सिकंदराबाद कॉलोनी के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता ने बताया कि वह पढ़ाई के लिए इंदौर आई थी, जहां राजेंद्र नगर क्षेत्र स्थित एक कॉलेज में उसकी पहचान सैयद मजहर से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और रिश्ता बन गया।

पीड़िता के अनुसार मार्च 2019 में आरोपी उसे अपने घर सिकंदराबाद कॉलोनी ले गया, जहां शादी का भरोसा दिलाकर उसने शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह लगातार घुमाने-फिराने के बहाने संबंध बनाता रहा, लेकिन शादी की बात हमेशा टालता रहा। 20 जनवरी को जब छात्रा ने गंभीरता से शादी को लेकर बात की, तो आरोपी ने साफ कह दिया कि वह सिर्फ टाइम पास कर रहा था।

फंदे पर लटका मिला नवविवाहिता का शव

इंदौर,(नप्र)। चंदन नगर में रहने वाली एक नव विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। चंदन पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। बताया जाता है कि सुबह परिवार जनों ने उसे फंदे पर लटके देखा था। पुलिस ने बताया कि गांधी पैलेस कॉलोनी में रहने वाली प्रगति पति आनंद राजपूत ने अपने घर में फांसी लगा ली। परिवार के लोगों ने बताया कि 8 माह पहले ही उसकी शादी हुई थी। प्रगति के पति चिल्ड वाटर सप्लाय का काम करता है। मंगलवार को वह घर पहुंचा तो उसने पत्नी के फंदे पर देखा। आनंद के माता-पिता परिवार के एक प्रोग्राम में गए हुए थे। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

जैविक खेती केवल एक खेती नहीं बल्कि एक संपूर्ण जीवन शैली

मृदा स्वास्थ्य एवं जैव उर्वरक पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

इंदौर,(नप्र)। इंडेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज,मालवांचल यूनिवर्सिटी द्वारा विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन के लिए व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मृदा स्वास्थ्य एवं जैव उर्वरक विषय पर डॉ. एम.के. रावत, हेड नाफेड, इंदौर ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य के महत्व, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, जैव उर्वरकों की भूमिका तथा टिकाऊ कृषि में इनके उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. रावत ने बताया कि स्वस्थ मिट्टी न केवल फसल उत्पादन बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।उन्होंने कहा कि जैविक खेती केवल एक खेती पद्धति नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन शैली है। यह न केवल मानव स्वास्थ्य की रक्षा करती है, बल्कि मिट्टी के जीवन को भी पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मालवांचल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ.संजीव नारंग ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मिट्टी को बेहतर समझकर करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना रहा। एडिशनल डायरेक्टर एग्रीकल्चर डॉ.राजेंद्र सिंह ने संस्थान प्रबंधन एवं संकाय सदस्यों ने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।इंडेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल के बारे में डॉ.शिवम कुमार वर्मा, डॉ.अजय कुमार गौड़,डॉ.रोहित कुमार,डॉ.आकाश ने जानकारी दी।

अवैध गैस रिफिलिंग पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

इंदौर (वाप्र)। इंदौर जिले में अवैध रूप से गैस सिलें डरों के भ डार 1, रिफिलिंग एवं क्रय विक्रय करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। इसी सिलसिले में बुधवार को दयालु नगर, खुडैल में खाद्य विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में गैस सिलें डर जप्त किये गये। बताया गया कि खाद्य विभाग को दयालु नगर, खुडैल स्थित एक रहवासी भवन में वाहनों में एलपीजी गैस अंतर 1 की सूचना मिली थी। मौके पर भवन मालिक मो. हुसैन उपस्थित मिले। भवन में 14.2 किलोग्राम क्षमता के गैस सिलेंडर रखे पाए गए, जिसमें एक सिलेंडर में मोटर से लगी नली भी पाई गई। गैस सिलेंडरों का उपयोग कार पठिया वाहनों में गैस भरने में किया जा रहा था। गैस वाहनों में इलेक्ट्रिक मोटर द्वारा गैस अंतर 1 किये जाने के कारण 1 14.2 किलो ग्राम क्षमता के 12 भरे और 3 नग खाली, कुल 15 नग गैस सिलेंडर, एक नग इलेक्ट्रिक गैस अंतर 1 मोटर, एक नग इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा जप्त किये गए। भवन मालिक हुसैन के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकार 1 पंजीबद्ध कर लिया गया है।

ET Markets: Beating Volatility

PFC's Zero Coupon Bonds a Smart Bet with Tax Vantage

SMART INVESTING ▸▸ 14

Market Trends

STOCK INDICES		% CHANGE
Nifty 50	25158	-0.30
BSE Sensex	81910	-0.33

MSCI India	1635	-1.17
MSCI EM	4038	-0.13
MSCI BRIC	791	-0.08
MSCI World	21112	-0.16
Japan(Nikkei)	52775	-0.41
Hong Kong(HSI)	26585	0.37
S.Korea(Kospi)	4910	0.49
Singapore(STI)	4810	-0.38

OIL ($/BRL)
DUBAI CRUDE 63.49
0.95
Absolute Change

GOLD RATE Premium/Discount $(205.18)	US ($/Oz)	India (₹/10Gm)
OPEN	4863.50	151575.00
LAST*	4853.50	157550.00
Prev(%) chg	1.88	4.64

FOREX RATE (₹-$ Exchange Rate)	
OPEN	LAST*
91.05	91.59

*At 6 pm IST. Source: LSEG, MCX, ETIG

Market on Twitter@ETMarkets

Overseas selling in sector 'mostly value-driven' ● BFSI also sees sell-off on likely profit taking, but outlook positive ● Some buying in three sectors, mostly metals and mining

Foreign Investors Not Done with Selling, FMCG Tops List in 2026

Ruchita Sonawane

Mumbai: The Fast Moving Consumer Goods (FMCG) sector bore the maximum brunt of the foreign sell off in the first 15 days of 2026, dumping shares worth ₹6,128 crore in the period. Financial services and information technology stocks also witnessed outflows as overseas investors pulled ₹22,420 crore out of 19 sectors in the first half of January, as per NSDL.

The foreign selling in FMCG stocks in the new year comes on the heels of ₹35,000 crore worth of outflows in 2025 — the second-highest sectoral withdrawal last year.

"The FMCG sector has witnessed mostly value driven foreign outflows as these stocks typically command a high Price to Earnings (PE) of over 50 times," said Pranay Aggarwal, director and CEO of Stoxkart. "Since foreign investors are valuation sensitive, they seem to have withdrawn funds."

Financial services and IT saw foreign outflows worth ₹3,190 crore and ₹2,075 crore, respectively, in the first half of the month. In 2025, foreign investors offloaded shares worth ₹14,903 crore and ₹74,698 crore in the sectors, respectively.

Bhavik Joshi, business head at INVasset PMS said banking and financial services stocks had shown resilience even as mid- and small-cap segments weakened through much of 2025. "There may be some profit-taking by global investors in BFSI after last year's strong run, but the fundamental outlook for the sector remains constructive," he said.

Aggarwal said the higher tariff threat is outweighing the tailwinds from rupee depreciation for the sector prompting foreign investors to take a backseat in IT stocks.

Global investors were buyers in fewer sectors, purchasing shares worth ₹3,406 crore across three sectors in the first half of January. They bought the most in metals and mining worth ₹2,689 crore. The sector had received inflows worth ₹2,984 crore in December.

Money Moves (Figures in ₹cr)

Sector	Jan 1-15	Dec, 2025	2025
NET OUTFLOW			
FMCG	-6,128	-5,844	-36,786
Financial Services	-3,190	-10,525	-14,903
IT	-2,075	1,126	-74,698
Consumer Services	-1,952	3,340	-16,524
Services	-1,587	-4,278	7,071
NET INFLOW			
Metals & Mining	2,689	2,984	4,661
Capital Goods	326	-2,566	-2,581
Consumer Durables	322	599	-21,369
Chemicals	69	-48	6,017

Source: NSDL

...But Earnings to Pack a Cheer, Delivery Soon

Benign commodity trends across inputs to enable gross margin expansion, likely revenue growth

Snehal Mergu

Earnings Preview

ET Intelligence Group: FMCG companies are expected to deliver mid-single-digit to low-double-digit revenue growth for the December quarter, driven by volumes, abating GST-related disruptions and stable pricing actions. Commodity trends remain benign across key inputs such as crude derivatives, palm oil and packaging materials, providing room for gross margin expansion. Resilient rural demand and portfolio premiumisation continue to be the driving force.

ITC is expected to post healthy improvement in revenue and profit, led by a resilient cigarette business and steady momentum in other FMCG and agri business. Cigarette volumes are projected to grow around 6-7%, with pricing remaining stable. The FMCG segment should deliver close to 9% revenue growth, supported by stable raw materials, premiumisation and cost efficiencies.

For Hindustan Unilever (HUL), GST-related trade disruptions affected nearly 40% of the product portfolio in the first half of the December quarter, which reduced in the second half. Underlying volume growth is expected at around 2-3%, with low single-digit price growth. Home and personal care categories may see gradual recovery amid a likely better show by beauty and wellbeing. Reported margin may improve after the demerger of the low-margin ice-cream business and favourable pricing trends.

Nestle India is expected to report double-digit revenue growth, supported by steady domestic volumes and normalisation post-GST implementation. Most categories continue to see double-digit momentum except milk products and nutrition. Elevated milk and coffee prices may weigh gross margin, which is estimated to contract year-on-year despite sequential improvement. EBITDA is likely to grow in high single digits.

Tata Consumer Products is set for a strong quarter with broad-based growth across beverages, foods and new-age categories. Domestic tea volumes are expected to grow modestly, aided by price reductions passed from raw tea deflation, while the salt portfolio continues to post solid volume-led growth. Sampann and NourishCo are likely to remain standout performers. Margin expansion is anticipated both year-on-year and sequentially, supported by normalisation in global operations and a low base in the Indian tea division.

SBI'S AND INDIA'S GROWTH STORY INTERTWINED: SETTY

'Pvt Investment to Rebound Once Tariff Disruption Settles'

ET@Davos

State Bank of India (SBI) Chairman **Challa Sreenivasulu Setty** reckons private investment may see a broad-based rebound once the US tariff disruption settles down. In an interview with **ET's Deepshikha Sikarwar** on the sidelines of the World Economic Forum in Davos, Setty said there was space for further consolidation in the public-sector banking space while underscoring that SBI doesn't need to grow inorganically. The bank, he said, is focusing more on leveraging AI to further bolster efficiency. Edited excerpts:

SBI'S GROWTH AND FOCUS AREAS

I think SBI's story is intertwined with India's growth story. Consistently, SBI has been growing 2-3 percentage points more than the nominal GDP. On the balance sheet side, 11-12% growth should definitely be SBI's aim. As I keep saying, we add almost one SBI every six years.

We are focusing more on how we can better leverage technologies, especially the new ones such as artificial intelligence, which are going to increase efficiency of our operations and also productivity of our physical outlets.

ASPIRATION TO BE AMONG TOP 20 GLOBAL BANKS

The first strategy is to ensure what needs to be done in a particular micro-market — it could be on the product side, or on the process side, or on the technology side. It could even be about opening more branches in those areas where we don't have major physical presence yet.

Secondly, the digital push would help us operate with efficiency. And this efficiency gain will also help us deploy our manpower in a meaningful manner for further market share acquisition.

CONSOLIDATION IN PUBLIC-SECTOR BANKING SPACE

I believe there is room for further consolidation in the public-sector banking space. The timing and which bank is merged with which other bank — that's the call that is finally taken by the government. As far as SBI is concerned, I don't think we need to grow inorganically. SBI is growing at 10-11%, which means that we are adding business worth ₹10 lakh crore every year. And even if you take 3-4 (key) minor banks and merge them with SBI, it doesn't add up to ₹10 lakh crore. So, we have the potential to grow organically. I don't think SBI is a party to this consolidation, hopefully.

INTEREST RATE CUTS AND IMPACT

Our in-house view is that there would be a pause (in rate cut) in February. If there is a pause, I think the exit margins for March 31, 2026, will be broadly protected.

As for CASA deposits, I see savings accounts holding up. What is not holding up is the current account. The current account balances predominantly used to come from the government, and the government is now implementing just-in-time cash management. So, we need to focus on business current accounts.

INCENTIVES IN FY27 BUDGET TO BOOST DEPOSITS

So, before every budget, banks have been taking up with the government that there should be some level-playing field for the saving instruments in general.

TALK OF MF CUTTING STAKE IN JEWELLER

Kalyan Shares Fall the Most in 3 Yrs, and may Fall More

Kairavi Lukka

Mumbai: Shares of Kalyan Jewellers extended their slide for a ninth consecutive session on Wednesday, sinking more than 12% in their steepest single-day fall in three years. Analysts warned the stock could remain under pressure in the near term, as worries that a mutual fund could cut its holding in the company are keeping investors nervous.

The stock closed at ₹397.2, down 12.02%, and has now dropped 24% across nine sessions. Wednesday's decline was its sharpest since December 2022.

"The company had released a strong business update for the third quarter earlier this month, which led to a run-up in the stock price. However, promoter share pledging increased from 19% to 25% during the December quarter, which is likely to be a concern for shareholders, leading to some decline in the stock," said Arijit Malakar, equity research analyst at Ashika Stock Broking.

Margin calls for retail and high net worth investors by brokerages contributed to the steep fall, said brokerage firm officials. Total traded quantity on Wednesday jumped to 26.52 lakh shares, compared with a two-week average of 4.57 lakh on BSE.

Technical indicators are pointing to further weakness, said analysts. "Kalyan Jewellers have been forming a pattern of lower tops and lower bottoms on the daily chart since January, indicating a sustained downtrend," said Somil Mehta, head of retail research at Mirae Asset Sharekhan.

DRL to Launch Generic Version of Novo's Semaglutide in March

India rollout to be followed by launch in EMs & Canada

Our Bureau

Mumbai: Dr Reddy's Laboratories (DRL) will launch a generic version of Novo Nordisk's weight loss molecule semaglutide in March, its chief financial officer MV Narasimham said.

The Hyderabad-based drug maker has received marketing and manufacturing authorisation for semaglutide from all the regulators, including Drugs Controller General of India (DCGI). "Now we are gearing up for launch in India in March," he said while addressing reporters post third quarter results.

The company will be among a raft of Indian-branded generic makers lining up the launch of the generic version of the popular weight loss molecule from the Danish drug maker that goes off patent end of March.

"In terms of pricing, we will ensure that it is competitive pricing with affordability at the core," said MV Ramana, chief executive officer-branded markets (India and emerging markets) at DRL. "We will also look at how the other players come in, but overall we will ensure that we support adoption of the product with the right price." The company will roll out with India launch, followed by other countries in the emerging market, and subsequently Canada.

DRL has received a notice of non-compliance from Pharmaceutical Drugs Directorate in Canada for semaglutide injection, outlining requests for additional information and clarifications on specific aspects of submission. The company submitted its response by mid-November 2025.

"We have responded well in advance of the deadline and are working with Health Canada for getting an approval," Narasimham said. "The resolution is expected anytime between now and by mid-May, said CEO Erez Israeli. "We will likely be the first to launch the product," he added.

The drug maker is preparing capacity for 12 million pens of semaglutide in the first year of launch. "The API is completely ours and the fill and finish is done by the partners. We will be in the orals as well as injectables," added Israeli.

So far, the company has received approval for a generic version of Ozempic, this will be followed by oral and then generic Wegovy. In the next 12 months, the company plans to launch the drug in 80 countries.

Talking about the demand for GLP1 (an incretin hormone that helps regulate blood sugar and appetite) drugs that is seen rising this year, Ramana said, "We have the capacity to serve (the demand)". In India and all over the world, the company will sell its own GLP1s, and it will also partner for marketing, said Israeli.

12M
PLANNED PEN CAPACITY IN 1ST YEAR OF LAUNCH

NET PROFIT FALLS 14%

On Wednesday, the drug maker reported its third quarter revenue at ₹8,727 crore, up 4.4% from a year ago, but down nearly 1% from previous quarter due to product specific headwind from lower lenalidomide sales. Growth during the quarter was supported by continued momentum in its branded businesses. Net profit during the quarter was down about 14% year-on-year, earnings before interest, taxes, depreciation, and amortisation (Ebitda) for the October-December quarter stood at ₹2,049 crore, down 11% y-o-y, while Ebitda margin was 23.5%.

HPCL Q3 Net Profit Up 58% at ₹4,011 crore

Our Bureau

Mumbai: State-run Hindustan Petroleum (HPCL) has reported a 58% year-on-year increase in its December-quarter consolidated net profit to ₹4,011 crore. Consolidated net profit for the third quarter last fiscal stood at ₹2543.6 crore.

Total income came in at ₹1.25 lakh crore, against ₹1.19 lakh crore in the December quarter of last fiscal, the company said on Wednesday.

On a sequential basis, HPCL's net profit rose by 6.3% from ₹3,830 crore, while revenue increased by 14.2% from ₹1.01 lakh crore.

During the quarter, HPCL's refineries recorded crude throughput of 6.38 million metric tonnes (MMT).

The Visakh refinery processed 4.01 MMT, operating at 106% of its nameplate capacity, while the Mumbai refinery recorded throughput of 2.37 MMT, operating at 99% of its nameplate capacity.

According to HPCL's press release, it recorded the highest-ever crude throughput of 19.61 MT during the first nine months of FY26, up 5.8% from 18.53 MT in the first nine months of FY25. Sales volume in the third quarter grew by 3.7% year-on-year to 13.34 MT.

Capital expenditure in Q3 of FY26 was ₹4,976 crore and a cumulative of ₹11,094 crore for the first nine months.

EXTRACTS OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND NINE MONTHS ENDED 31ST DECEMBER, 2025

Rs. In Lakhs (Except Earnings per share)

S. No.	PARTICULARS	CONSOLIDATED			STANDALONE		
		Quarter Ended 31.12.2025 (Unaudited)	Nine Months Ended 31.12.2025 (Unaudited)	Quarter Ended 31.12.2024 (Unaudited)	Quarter Ended 31.12.2025 (Unaudited)	Nine Months Ended 31.12.2025 (Unaudited)	Quarter Ended 31.12.2024 (Unaudited)
1.	Total income from operations (Net)	30206	84522	21877	18584	53628	13863
2.	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and / or Extraordinary items)	2670	7136	1234	1796	4924	867
3.	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	2670	7136	1234	1796	4924	867
4.	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	2069	5468	931	1336	3645	643
5.	Total Comprehensive Income	2970	8346	153	1369	3672	640
6.	Equity Share Capital	1015.42	1015.42	1015.42	1015.42	1015.42	1015.42
7.	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year						
8.	Basic and Diluted Earnings Per Share (of Rs. 2/- each) (for continuing and discontinued operations) - * Not annualised						
	1. Basic*	4.08	10.77	1.83	2.63	7.18	1.27
	2. Diluted*	4.08	10.77	1.83	2.63	7.18	1.27

* Not annualised

Note:

The above is an extract of the detailed format of results for Quarter/Nine Months ended Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of Quarter/Nine Months ended Financial Results is available on the website of Stock Exchange(s) (www.bseindia.com and www.nseindia.com) and the website of company (www.rajratan.co.in).

Place : Indore
Date : 21st January, 2026

By Order of the Board
Yashovardhan Chordia
CEO & Deputy Managing Director
DIN-08488886

सेंसेक्स	सराफा	सोना	चांदी	डालर($)
81,909.63 ↘ 270.84	दिल्ली के भाव	₹ 1,59,700 10 ग्राम ↗ ₹6,500	₹3,34,300 1 किलो ↗ ₹ 11,300	₹ 91.65 ↗ ₹0.68

विनिवेश और संपदा मौद्रीकरण पर करना होगा फोकस

राजीव कुमार ● नईदुनिया

- आयकर में राहत और जीएसटी सुधारों से टैक्स संग्रह की वृद्धि दर में आई कमी, अब राजस्व के मोर्चे पर चुनौती
- बजट में पांच से सात लाख रुपये कमाने वाले निम्न मध्यम आय वर्ग के लिए की जा रही राहत की आस
- इस वर्ग को निश्चित किस्त पर मकान की सुविधा जैसी सहूलियत देने से बढ़ेगी खपत, इकोनमी को होगा लाभ

नई दिल्ली : यूं तो पिछले साल ही केंद्र सरकार ने बजट में 12 लाख रुपये तक की आय को कर मुक्त करने की घोषणा कर दी थी और उसके बाद जीएसटी सुधारों ने जनता पर पड़ने वाली महंगाई की मार को भी कम कर दिया है। इसका असर सरकार के राजस्व पर साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। हालांकि, अभी भी पांच से सात लाख रुपये कमाने वाले निम्न मध्यम आय वर्ग के लिए बजट में राहत की आस लगाई जा रही है, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ सके जो अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद हो। यानी ऐसी राहत जिससे वह किफायती मकान खरीद सकें और जीवनस्तर पर बदलाव ला सकें।

जानकार मानते हैं कि शहर में रहने वाले ये निम्न मध्यम वर्ग सबसे अधिक आकांक्षी है और इन्हें मकान खरीदारी में ब्याज दरों पर अतिरिक्त छूट या सरकार की तरफ से एक निश्चित किस्त पर मकान की सुविधा, इलाज के लिए सब्सडी वाले हेल्थ इंश्योरेंस और रेल, बस व मेट्रो में सवारी के लिए कम दर पर सालाना एकमुश्त भुगतान की सुविधा मुहैया कराई जाए तो अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। पर इसके साथ ही राजस्व बढ़ोतरी के लिए विनिवेश और मौद्रीकरण पर ध्यान देना होगा। डेलाइट के पार्टनर (अप्रत्यक्ष कर) एमएस मणि कहते हैं, 'बजट का फोकस उपभोग बढ़ाने पर होना चाहिए ताकि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में मदद मिले और उससे टैक्स का संग्रह बढ़ सके।'

राजस्व बढ़ाने की चुनौती : चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार ने इनकम टैक्स के साथ जीएसटी की दरों में भी कटौती कर राहत देने का काम तो किया, लेकिन इससे चालू वित्त वर्ष में टैक्स से मिलने वाले राजस्व की बढ़ोतरी दर प्रभावित हो गई। वित्त वर्ष 2024-25 में यह बढ़ोतरी दर सात प्रतिशत से अधिक थी जो चालू वित्त वर्ष में चार प्रतिशत के पास है। भारत में टैक्स संग्रह जीडीपी का लगभग सात प्रतिशत है जबकि चीन में यह प्रतिशत 20 तो वियतनाम में 16 प्रतिशत है। तभी बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस और एचडीएफसी बैंक की प्रमुख अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता दोनों इस बात से इत्तेफाक रखते हैं कि वैश्विक उथल-पुथल और अमेरिकी टैक्स की वजह से कारपोरेट के मार्जिन पर दबाव है। इनकम टैक्स छूट की सीमा 12 लाख करने से लगभग एक करोड़ टैक्सपेयर्स इस दायरे से बाहर चले गए। जानकारों का कहना है कि जीएसटी कम करने से बढ़ने वाली खपत से टैक्स संग्रह तो बढ़ेगा, लेकिन इसमें छह माह का समय लगेगा।

20 एकड़ से अधिक कृषि भूमि रखने वालों को कर दायरे में लाएं : नंदा

ऐसे में सवाल उठता है कि सरकार अपने राजस्व को कैसे बढ़ाएगी। पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल किया नहीं जा सकता है। राजनीति इतनी तीखी चल रही है कि कोई भी सरकार या दल कृषि से होने वाली आय को टैक्स के दायरे में नहीं लाएगी। हालांकि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट आफ इंडिया (आइसीएआइ) के प्रेसिडेंट चरनजीत सिंह नंदा कहते हैं, '20 एकड़ से अधिक जमीन पर खेती करने वालों को टैक्स के दायरे में लाना चाहिए, हमने सरकार से यह सिफारिश की है।' हालांकि राजनीतिक परिस्थितियों पर नजर डालें तो ऐसा संभव होता नहीं दिखता है।

मोनेटाइजेशन बन सकता है राजस्व जुटाने का प्रमुख जरिया

टैक्स बढ़ाने के लिए विनिवेश और संपदा के मौद्रीकरण (मोनेटाइजेशन) का रास्ता मुख्य रूप से दिखता है। हालांकि पिछले तीन साल से इस दिशा में सरकार को कुछ खास सफलता हाथ नहीं लगी है। वहीं, सब्सिडी के मद में सालाना 4.5 लाख करोड़ के खर्च की भी समीक्षा की जा सकती है। मदन सबनवीस कहते हैं, 'विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते के तहत सरकार को इस साल आयात शुल्क में कटौती करनी होगी, इसलिए टैक्स के फ्रंट पर तो बजट में राहत मुश्किल है, खाद के मद में 1.7 लाख करोड़ की सब्सिडी में राहत देखने को मिल सकती है। मुफ्त के राशन की स्कीम में भी कोई बदलाव नहीं होगा। विनिवेश की जगह सरकार का मुख्य फोकस संपदा के मौद्रीकरण पर रहेगा।'

50 लाख की आय से सरकार का सरचार्ज शुरू हो जाता है। इस सीमा को बढ़ाकर 75 लाख किया जाना चाहिए। अभी 50 लाख से एक करोड़ की आय पर 10 प्रतिशत का सरचार्ज लगता है। टीडीएस नहीं देने और इनकम टैक्स नोटिस का जवाब नहीं देने पर उसे अपराध नहीं माना नहीं जाना चाहिए।

चरनजीत सिंह नंदा, प्रेसिडेंट, आइसीएआइ

वित्तीय मजबूती के लिए बजट में सरकार का फोकस निश्चित रूप से विनिवेश और संपदा के मौद्रीकरण पर होगा। अगले वित्त वर्ष में नामिनल जीडीपी की विकास दर अधिक होने से टैक्स संग्रह बढ़ाने में मदद मिलेगी।

साक्षी गुप्ता, मुख्य अर्थशास्त्री, एचडीएफसी बैंक

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

एक नजर में

देश में परिचालन बंद करने संबंधी खबरें गलत : वनप्लस

नई दिल्ली : वनप्लस इंडिया ने भारत में अपने परिचालन को बंद करने से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए कहा कि आनलाइन मीडिया पर चल रही गलत जानकारी के बावजूद परिचालन सामान्य तरीके से चल रहा है। सीईओ राबिन लियू ने कहा कि हम हमेशा की तरह काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। कंपनी की तरफ यह सफाई ऐसे समय आई है जब भारत में स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों को बढ़ती प्रतिस्पर्धा से जांच का सामना करना पड़ रहा है और इससे समेकन हुआ है। (एजेंसी)

फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर कस्टम ड्यूटी 20% की

नई दिल्ली : इलेक्ट्रानिक सामानों की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए वित्त मंत्रालय ने फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) को बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का एलान किया है। ओपेन सेल और खास तरह के कंपोनेंट्स पर बीसीडी को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने एक पोस्ट में कहा, 'मेक इन इंडिया' नीति और इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करने के लिए इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर बीसीडी को 10 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने और ओपन सेल और दूसरे कंपोनेंट्स पर बीसीडी को घटाकर पांच प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया गया है।' (एजेंसी)

बैंक आफ इंडिया का शुद्ध लाभ 7.50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली : बैंक आफ इंडिया ने बुधवार को बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 7.5% बढ़कर 2,705 करोड़ रुपये हो गया। सार्वजनिक क्षेत्र के इस बैंक का शुद्ध लाभ 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 2,517 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 21,205 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 19,957 करोड़ रुपये थी। तीसरी तिमाही में बैंक का एनपीए घटकर सकल कर्ज का 2.26% प्रतिशत हो गया जो एक साल पहले इसी समयावधि में 3.69% था। (एजेंसी)

अमेरिकी दादागीरी से सहमा रुपया, रिकार्ड निचले स्तर पर

डालर के मुकाबले 68 पैसे टूटकर 91.65 पर बंद हुआ, इस साल अब तक 1.50 प्रतिशत कमजोर हुई भारतीय मुद्रा

नईदुनिया न्यूज, नई दिल्ली : ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की 'दादागिरी' के खिलाफ यूरोपीय संघ की तरफ से एकजुटता दिखाने का असर पूरी दुनिया के शेयर बाजार और मुद्रा बाजार पर दिख रहा है। हालांकि, भारतीय बाजार में कुछ ज्यादा उथल-पुथल मची है। बुधवार को भारतीय रुपया डालर के मुकाबले 68 पैसे टूटकर 91.65 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले का न्यूनतम रिकार्ड स्तर 91.14 रुपये था। जनवरी माह में रुपया ना सिर्फ 1.50 प्रतिशत कमजोर हुआ है बल्कि चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्द्धी इकोनमी के मुकाबले इसकी गिरावट ज्यादा तेज रही है।

इस गिरावट के लिए मुख्य तौर पर वैश्विक अनिश्चितता, विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से भारतीय बाजार से निवेश का बाहर निकालना और भारतीय तेल कंपनियों की तरफ से डालर की बढ़ती मांग को जिम्मेदार ठहराया गया है। इस बीच यह बात भी सामने आ रही है कि आरबीआइ की तरफ से रुपये को थामने के लिए कोई बहुत खास सक्रियता नहीं दिखाई जा रही है। कारण यह है कि वैश्विक अनिश्चितता में रुपये की कमजोरी निर्यातकों को ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेगा। रुपये की कमजोरी के पीछे सबसे बड़ा कारण एफआइआइ यानी विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयरों और बांड से बाहर निकलना है, इससे बाजार में डालर की मांग बढ़ गई है। जनवरी में ही विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से करीब 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इन्होंने 2025 में भारतीय बाजार से 19 अरब डालर की निकासी की थी।

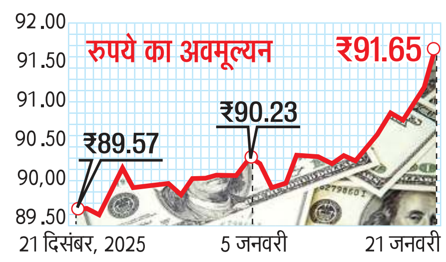

गिरावट की प्रमुख वजहें

- वैश्विक अनिश्चितता, विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से भारतीय बाजार से निवेश का बाहर निकालना
- भारतीय तेल कंपनियों की तरफ से डालर की बढ़ती मांग
- आरबीआइ की तरफ से रुपये को थामने के लिए कोई बहुत खास सक्रियता नहीं दिखाना

30,000 करोड़ रुपये से अधिक निकाले हैं विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से जनवरी में

आरबीआइ ने नवंबर में विदेशी मुद्रा बाजार में 9.70 अरब डालर बेचे

नई दिल्ली, एजेंसी : डालर के मुकाबले रुपये की गिरावट को थामने के लिए आरबीआइ ने नवंबर में विदेशी मुद्रा बाजार में 9.7 अरब डालर बेचे। आरबीआइ ने अपने मासिक बुलेटिन में कहा कि उसने नवंबर के दौरान 14.35 अरब डालर खरीदे और 24.06 अरब डालर बेचे। अक्टूबर में सेंट्रल बैंक ने बाजार में 11.88 अरब डालर बेचे थे। 21 नवंबर को भारतीय रुपया अपने उस समय के सबसे निचले स्तर 89.49 पर था, जो अमेरिका के साथ चल रहे व्यापार में रुकावट और लगातार विदेशी फंड की निकासी के चलते दबाव में था। अकेले नवंबर में रुपये में 0.8% की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को रुपया 91.7425 के रिकार्ड निचले स्तर पर पहुँच गया, जो दो महीने में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट थी। ग्लोबल मार्केट में "रिस्क-आफ" और लोकल स्टाक से लगातार निकासी से साउथ एशियन करेंसी को नुकसान हुआ।

यूरोपीय यूनियन के साथ ट्रेड डील से स्थिति कुछ सुधरने की उम्मीद

यूरोप में ग्रीनलैंड विवाद और व्यापार संबंधी तनाव जैसी वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं की वजह से दुनियाभर में डालर की मांग बढ़ गई है। कई विश्लेषकों ने पिछले छह कारोबारी दिनों से रुपये की गिरावट को सीधे तौर पर शेयर बाजार में चल रही गिरावट से जोड़ा है। यह स्थिति आगे भी जारी रहने की संभावना है। हो सकता है कि अगले हफ्ते होने वाले भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते से कुछ सकारात्मक संदेश जाए। रुपये को सबसे ज्यादा ताकत भारत और अमेरिका के बीच संभावित कारोबारी समझौते की घोषणा से मिल सकती है।

आगे भी रुपये पर दबाव बने रहने के संकेत

रुपये की कमजोरी का व्यापक प्रभाव घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। कमजोर रुपये से आयात महंगा होता है। खासतौर पर ईंधन और मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग के लिए जरूरी धातुओं का आयात महंगा होता जा रहा है। वैश्विक अस्थिरता से सरकारी तेल कंपनियों अभी जमकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की खरीद कर रही हैं, इससे भी भारत में घरेलू स्तर पर डालर की मांग बढ़ गई है।

40 साल से कम उम्र के युवा उद्यमियों में भारत ने चीन को पीछे छोड़ा

मुंबई, एजेंसी : 10 करोड़ डालर से ज्यादा की कंपनी की स्थापना करने वाले 40 साल से कम उम्र के युवा उद्यमियों के मामले में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। एवेंडस वेल्थ हुरून इंडिया यूथ सीरीज 2025 की के मुताबिक, भारत में ऐसे उद्यमियों की संख्या 166 है जबकि चीन में इनकी संख्या 140 है। 20 करोड़ डालर से ज्यादा कीमत की कंपनी चलाने वाले नेक्स्ट जेनरेशन लोगों की संख्या चीन में 54 है जबकि भारत में यह 35 है।

अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के 38 साल के करण अदाणी 201 युवा उद्यमियों की सूची में सबसे ऊपर हैं। इसके बाद एल्केमी के निखिल विश्वनाथन और अपोलो हास्पिटल्स के हर्षद रेड्डी हैं। ये उद्यमी मिलकर 31 लाख करोड़ के मूल्य वाली कंपनियों का नेतृत्व करते हैं और यह जीडीपी का 11वां हिस्सा है। ये उद्यमी मिलकर 4.43 लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी देते हैं, जिसमें अपोलो हास्पिटलस में सबसे ज्यादा 42,497 कर्मचारी हैं।

भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकोनमी बना रहेगा

- आरबीआइ ने कहा-मौजूदा हालात आगे के लिए पेश करते हैं एक सुनहरी तस्वीर
- जीडीपी वृद्धि के पहले अग्रिम अनुमानों से भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का चलता है पता

मुंबई, एजेंसी : भू-राजनीतिक तनाव और नीतिगत अनिश्चितता के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकोनमी बना रहेगा। आरबीआइ के जनवरी बुलेटिन में छपे एक लेख में कहा गया कि इकोनमी की मौजूदा हालात आगे के लिए एक सुनहरी तस्वीर पेश करते हैं। 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान बताते हैं कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकोनमी बना रहेगी।

बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बावजूद 2025 में वैश्विक वृद्धि मजबूत बनी रही। 2025-26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि के पहले अग्रिम अनुमानों से भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का पता चलता है और इस वृद्धि की प्रमुख वजह घरेलू कारक हैं। लेख में आगे कहा गया है कि दिसंबर के संकेतक बताते हैं कि मांग की स्थिति अच्छी बनी रहने के साथ वृद्धि में तेजी बनी रहेगी। दिसंबर में सकल महंगाई में तेजी आई, लेकिन यह निचली सहनीय सीमा से नीचे रही। लेख में यह भी बताया गया है कि भारत ने बाहरी क्षेत्रों के जोखिम को कम करने के मकसद से अपने निर्यात का विविधीकरण करने की काफी कोशिशें की हैं। लेख में कहा गया है कि साल 2025 में बड़े आर्थिक सुधार हुए, जिसमें कर ढांचे को तर्कसंगत बनाना, लेबर रिफार्म के लिए लेबर कोड लागू करना और वित्तीय क्षेत्र को विनियमन से मुक्त करना शामिल है।

सोने और चांदी में रिकार्ड तोड़ तेजी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी : रिकार्ड तोड़ तेजी का सिलसिला बरकरार रखते हुए बुधवार को देश की राजधानी में सोने की कीमतें लगभग 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम की नई ऊंचाई पर पहुंच गईं। दुनियाभर में सुरक्षित निवेश की होड़ के बीच चांदी 3.34 लाख रुपये प्रति किलो की नई ऊंचाई पर पहुंच गई।

सोना 6,500 रुपये या 4.24 प्रतिशत बढ़कर 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मंगलवार को, सोने ने पहली बार 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का अहम स्तर पार किया था। चांदी की कीमतों में भी लगातार नौवें दिन जबरदस्त उछाल जारी रहा। बुधवार को यह सफेद धातु 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, 'मजबूत निवेश मांग, आपूर्ति में दिक्कत और कमजोर रुपये के चलते दोनों धातुएं घरेलू बाजार में अंतरराष्ट्रीय कीमतों की तुलना में काफी ज्यादा प्रीमियम पर ट्रेड कर रही हैं।' मिराए एसेट शेयरखान के वरिष्ठ विश्लेषक प्रवीण सिंह ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के बीच बढ़ते तनाव और महंगाई की चिंताओं से वैश्विक बाजार में हाजिर सोना दो प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है।

6,500 रुपये बढ़कर 1,59,700 प्रति 10 ग्राम हुआ सोना

11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 प्रति किलोग्राम हो गई चांदी

वैश्विक जोखिम कारकों से धारणा बिगड़ने के कारण घरेलू बाजारों में अस्थिरता बनी रही। लेकिन कारोबारी सत्र के अंत में मूल्य-आधारित खरीदारी आने से शुरुआती नुकसान की थोड़ी भरपाई हो गई। **-विनोद नायर,** रिसर्च हेड, जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड

एक हजार से ज्यादा अंक गिरने के बाद संभला बाजार

मुंबई, एजेंसी : भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने, वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे सत्र में अपने ज्यादातर नुकसान की भरपाई करते हुए सेंसेक्स जहां 271 अंक टूटकर बंद हुआ वहीं निफ्टी में 75 अंक की गिरावट दर्ज की गई।

इटरनल के एमडी और सीईओ का पद छोड़ेंगे दीपिंदर गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी : जोमैटो और ब्लिंकिट का संचालन करने वाली इटरनल ने बुधवार को कहा कि दीपिंदर गोयल समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) का पद छोड़ेंगे। उनकी जगह ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींडसा एक फरवरी से समूह के नए सीईओ के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में गोयल ने कहा कि वह नए विचारों पर काम करने के लिए अपने वर्तमान पद से हट रहे हैं और अब वाइस-चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। दीपिंदर गोयल ने समूह सीईओ और एमडी का पद छोड़ने का कारण स्पष्ट करते हुए पत्र में लिखा, 'पिछले कुछ समय से मेरा रुझान कुछ नए विचारों की ओर बढ़ा है, जिनमें बहुत अधिक जोखिम और प्रयोग की गुंजाइश है। इस तरह के विचारों पर इटरनल जैसी सार्वजनिक कंपनी के दायरे से बाहर काम करना ही बेहतर है।' उन्होंने कहा, 'अगर ये विचार इटरनल के रणनीतिक दायरे में होते, तो मैं कंपनी के भीतर ही इन पर काम करता, लेकिन ऐसा करना संभव नहीं दिख रहा है। इटरनल को अपने वर्तमान व्यवसाय के प्रति केंद्रित और अनुशासित रहने की जरूरत है।' उन्होंने अलबिंदर ढींडसा की भूमिका पर कहा, 'अब परिचालन संबंधी निर्णयों का मुख्य केंद्र 'अल्बी' (अलबिंदर) होंगे।'


दीपिंदर गोयल ●

मावा भाव

इंदौर : 340 रुपये किलो।
रतलाम : सफेद मावा 290 व पीला मावा 300 रुपये किलो।
उज्जैन : 280 रुपये किलो।
जावरा : 260 रुपये किलो।

सोया तेल में वैवाहिक मांग अच्छी रहने से भाव मजबूती पर टिके


तेल तिलहन

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : वैवाहिक सीजन की वजह से सोयाबीन तेल में मांग अच्छी बनी हुई है जिससे सोया तेल के दाम मजबूती पर टिके हुए हैं। इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1325-1330, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1270-1275, इंदौर पाम तेल 1325 रुपये प्रति दस किलो के भाव बोले गए। देशभर में सोयाबीन की आवक मांग के अनुरूप नहीं होने से प्लांट सोयाबीन ऊंचे दामों पर खरीदने पर विवश है जिससे सोया तेल के दाम घट नहीं पा रहे है। बुधवार को देशभर में सोयाबीन की आवक दो लाख 35 हजार बोरी दर्ज की गई। विदेशी बाजारों में भी मजबूती बनी हुई है जिससे भी भारतीय बाजार घट नहीं पा रहे हैं। चीन ने व्यापार समझौते के तहत तय 12 मिलियन टन अमेरिकी सोयाबीन खरीदी का लक्ष्य हासिल किया। बुधवार को शिकागो सोयाबीन वायदा में हल्की तेजी देखी गई।

प्लांट सोयाबीन भावः अमृत रिफाइंड मंदसौर 5320, अवी एग्रो उज्जैन 5350, कोरोनेशन ब्यावरा 5250, धानुका सोया नीमच 5315, धीरेंद्र सोया नीमच 5325, दिव्य ज्योति 5250, खंडवा आयल 5300, लिविंग फूड्स शुजालपुर 5315, मित्तल सोया देवास 5315, एमएस साल्वेंक्स नीमच 5250, नीमच प्रोटीन 5325, पतंजलि फूड्स 5250, प्रकाश 5300, प्रेस्टीज ग्रुप देवास 5325, राम जानकी देवास 5225, स्नेहिल सोया देवास 5350, सूर्या 5325, विप्पी सोया देवास 5300 रुपये प्रति क्विंटल।

लूज तेल (टैक्स अतिरिक्त)

मूंगफली तेल इंदौर 1610-1630, मुंबई मूंगफली तेल 1640, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 1325-1330, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 1270-1275, इंदौर पाम तेल 1325, मुंबई सोया रिफाइंड 1350, मुंबई पाम तेल 1290, राजकोट तेलिया 2540, गुजरात लूज 1600, कपास्या तेल इंदौर 1275 रुपये प्रति दस किलो।